

आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा गुरु दक्षता कार्यक्रम का दूसरा दिन - मूक यानी मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स तैयार करने की दी जा रही है ट्रेनिंग

पटना. 26 मार्च 2025. भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा गुरु दक्षता कार्यक्रम के दूसरे दिन आज मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स यानी मूक से संबंधित दिशा.निर्देश और तकनीक पर सहभागियों को विस्तृत रूप से बताया गया तथा हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी कराई गई।



आज के पहले तकनीकी सत्र में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन केंद्र (ईएमपीसी) निदेशक डॉ. के. डी. प्रसाद ने मूक (MOOC) के लिए लागू दिशा. निर्देशों पर चर्चा की, स्वयं मूक (SWAYAM MOOC) में शिक्षण-सीखने के अवसर, निर्देशात्मक डिज़ाइन: आकर्षक वीडियो व्याख्यान बनाना और इसके लिए सर्वोत्तम अभ्यास और उपकरण के विषय में बताया।

कार्यक्रम के दूसरे तकनीकी सत्र में एआईयू-एकेयू-एएडीसी कोऑर्डिनेटर तथा एफडीपी संयोजक डॉ मनीषा प्रकाश तथा स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड मास कम्युनिकेशन के फैकल्टी तथा एफडीपी के सह संयोजक डॉ संदीप कुमार दुबे ने प्रायोगिक गतिविधि के तहत वीडियो उत्पादन



तकनीकें, वीडियो व्याख्यान का निर्माण और संपादन के विषय में बताया । सभी प्रतिभागियों ने ग्रुप एक्टिविटी के तहत एक-दूसरे के प्रस्तावित पाठ्यक्रम का पीयर रिव्यू किया जिससे बेहतर कोर्स निर्माण के लिए कई सुझाव सामने निकाल कर आए।



25 मार्च से आयोजित इस कार्यक्रम में मूक प्रोडक्शन में दक्ष शिक्षाविदों द्वारा पांच दिनों तक ट्रेनिंग दी जा रही है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के द्वारा स्थापित अकादमिक एवं प्रशासनिक विकास केंद्र की ओर से आयोजित किया जा रहा है। एफडीपी के तीसरे दिन गुरुवार को श्री कृष्ण कांता राय, सहायक प्रोफेसर, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे बतौर प्रशिक्षक गुरु दक्षता कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे मूक में गुणवत्ता आश्वासन: रूब्रिक्स और फीडबैक तंत्र मूक में शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण तथा मूक के लिए संसाधन निर्माण पर चर्चा करेंगे।